टेलीपैथी बनाम मनोपैथी

विचार तरंगों का आदान प्रदान तथा प्रसारण जिस प्रक्रिया द्वारा सम्पन्न होता है, उसे टेलीपैथी कहते हैं। ये तरंगें बिना इन्द्रियों का सहारा लिये भेजी जाती हैं। इस क्रिया में भौतिक सीमायें बाधा नहीं बनती हैं। इसमें मन की एकाग्रता ही आधार है। अगर गहरे स्तर की एकाग्रता हो, तो इससे भौतिक उपचार भी हो सकता है।

मानव मस्तिष्कों के बीच मानसिक विचारों का आदान-प्रदान रेडियो संचार से अधिक तीव्र गति से होता है। समुद्र के अत्यंत निचले भाग में रेडियो तरंगें भंग या बाधित हो जाती हैं परंतु मानसिक तरंगों में वहां भी रुकावट नहीं आती। विचारों का आदान-प्रदान उनमें अधिक सफलतापूर्वक होता है जिनके भावनात्मक सम्बन्ध अच्छे होते हैं।

मानव शरीर टेलीविज़न प्रणाली से अधिक अद्भुत इलेक्ट्रॉनिक यंत्र है। शरीर से अधिक शक्तिशाली मानसिक तरंगे हैं जो एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। विचार शक्ति की जितनी जानकारी मिली है उससे अधिक अभी तक इस शक्ति का ज्ञान नहीं है। जिस दिन इसका पूरा ज्ञान मिलेगा वह चमत्कार होगा तथा परमाणु के समान महान शक्ति सम्पन्न होगा।

यू-ट्यूब पर जो भी टेलीविज़न आदि के प्रसारण हैं, वह सब रेकॉर्ड होते रहते हैं। आकाश में ओजोन परत है जो सूर्य के प्रकाश के ताप से वायुमंडल को सुरक्षित रखती है। ऐसे ही आकाश में एक परत है जिसे ऑडियो स्फीयर कहते हैं। धरती का प्रत्येक मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक जो भी विचार करता है वह इस परत में रेकॉर्ड होते रहते हैं। समधर्मी विचार आपस में मिलते-जुलते हैं और घनीभूत होते रहते हैं। जिन विचारों की अधिकता होती है, वह मनुष्यों को प्रेरित करते हैं। वे सूक्ष्म वातावरण में प्रवाहित होते रहते हैं। इस समय बुरे विचारों की अधिकता है, इसलिये आज हर मानव नकारात्मक ही सोचता है। प्रयोग होने या न होने पर उनकी शक्ति घटती-बढ़ती है।

धरती पर मनुष्य या मनुष्यों का समूह जो विचार करता है या परिस्थिति जैसी भी बनती है, वैसे ही विचार ऑडियो स्फीयर परत से आने लगते हैं। रेडियो, टी.वी. आदि चलने से जैसी आवाज़ें हम सुनते हैं, वैसी ही तरंगें ऑडियो स्फीयर परत से आने लगती हैं। ऐसे ही अगर कोई व्यक्ति क्रोध, लोभ या किसी अन्य प्रकार की विचार धारा में बहता है, तो वैसी ही तरंगें ऑडियो स्फीयर परत से उस पर बरसने लगती हैं। जब हम ऐसे व्यक्तियों से मिलते हैं तो उनकी तरंगों का असर हमारे पर होने लगता है। अगर उनके साथ ज़्यादा समय बिताते हैं और वह ज़िम्मेवारी के पद पर है तो हमारी विचारधारा भी वैसी ही बनने लगेगी। अगर कोई व्यक्ति चाहे वह कहीं भी हो और वह जितनी तीव्रता से हमारे बारे में कुछ भी अच्छा बुरा सोचता है, वैसे ही हमारे विचार प्रभावित होने लगते हैं। ऐसे ही अगर हम किसी के बारे में सोचते हैं, तो उनकी विचारधारा प्रभावित होने लगती है।

विचारों से बने वातावरण का असर महसूस होता रहता है। मंदिर, मस्जिद या राजयोग केन्द्रों पर पावन सात्विक विचारों का आह्वान किया जाता है। उनका बार-बार आह्वान करने से उनका प्रभाव दिखने लगता है। इन स्थानों पर पहुंचने वालों के मन को शांति मिलती है। आशा की ज्योति जगती है। निराशा मिटती है। कसाई खानों में मारे गये पशु बहुत तड़पे थे, इसलिये इन स्थानों पर दु:ख भरा वातावरण रहता है। वहां कोई भी जायेगा तो दु:ख का अनुभव करेगा।

जहां योग का अभ्यास किया जाता है वहां जाने पर लगता है जैसे शांति की वर्षा हो रही हो।

चण्डीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल महोदय सत्यदेव नारायण आर्य को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. उत्तरा।

राँची-झारखण्ड। आर्च बिशप हाउस में आर्च बिशप कर्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो तथा राँची के होने वाले आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निर्मला।

नेपाल-राजविराज। प्रमुख जिला अधिकारी सुरेन्द्र पौडेल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. भगवती।

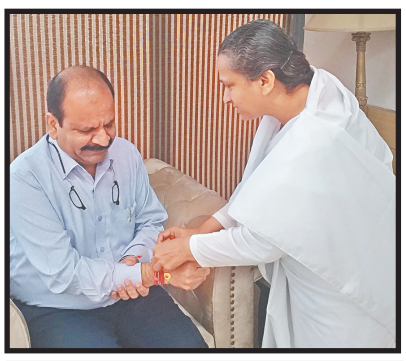

दिल्ली-लोधी रोड। वाई.सी.मोदी,आई.पी.एस.,डी.जी.,नेशनल इनवेस्टिगेशन एजेंसी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गिरिजा।

वल्लभगढ़-हरियाणा। सेक्टर 55 थाना के इंस्पेक्टर राम अवतार व स्टाफ को राखी बांधने के बाद समूह चित्र में ब्र.कु. सुशीला, ब्र.कु. सरोज तथा अन्य।

बिहारशरीफ-बिहार। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर डॉ. त्यागराजन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अनुपमा।

तोशाम-हरियाणा। उप विभागीय न्यायिक मजिस्ट्रेट सौरव गुप्ता को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. चंद्रकला।

राजसमंद-राज.। एस.पी. भुवन भूषण को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. पूनम। साथ हैं श्रीमति नम्रता भूषण व ब्र.कु. गोपाल।

श्यामनगर-प.बंगाल। बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर धरनी धर पात्र को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. कमला।

रोहतक-हरियाणा। एल.पी.एस. बोसार्ड कम्पनी के एम.डी. राजेश जैन को राखी बांधते हुए ब्र.कु. रक्षा।

धुरी-पंजाब। डी.एस.पी. आकाश दीप को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. मूर्ति तथा ब्र.कु. सुनीता।

जगन्नाथपुरी-ओडिशा। गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रतिमा।

कुशीनगर-उ.प्र.। डी.एम. डॉ. अनिल कुमार सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीरा।

नोएडा से.33-उ.प्र.। गौतम बुद्ध नगर के विधायक पंकज सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मंजू।

उदयपुर-राज.। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं उमा शंकर शर्मा,वाइस चांसलर,एम.पी.ए.यू.टी., चन्दर सिंह कोठारी,मेयर,नगर निगम,उदयपुर तथा ब्र.कु. रीटा।